SHRI RATANSINH RAJDA (Bombay South): He is an espouser of non-violence; so he will not beat his wife

MR. DEPUTY-SPEAKER: Yes, Mr. B. D. SINGH Please.

12.42 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377—*Contd.*

(viii) NEED FOR PROVIDING A HEALTHY SUGAR POLICY TO PROMOTE SUGAR INDUSTRY.

श्री बी० डी० सिंह (फूलपुर): उपाध्यक्ष महोदय, देश में स्पष्ट चीनी नीति के अभाव में चीनी उद्योग पुनः संकटग्रस्त हो चुका है। आज उद्योग के सामने चीनी की निकासी की समस्या उत्पन्न हो गई है। किसी भी वस्तु नीति का आवश्यक तत्व है कि वस्तु का भंडार आवश्यकता से न तो बहुत अधिक हो और न बहुत कम। परन्तु चीनी की अतिरिक्त मात्रा बहुत अधिक हो चुकी है। गत 30 सितम्बर को आवश्यक भंडार 12 लाख टन का होना चाहिए था, जब कि वह 33 लाख टन का था। इस प्रकार लगभग 21 लाख टन का भंडार सामान्य से अधिक था। प्रारम्भ होने वाले मौसम में अतिरिक्त भंडार की मात्रा में और बहुत अधिक वृद्धि हो सकती है। इस प्रकार समस्या और भी गम्भीर होने वाली है। मांग एवं पूर्ति में सामंजस्य के अभाव की स्पष्ट आशंका है। अगला मौसम आसन्न है और गन्ने का पिछला भुगतान अवशेष है। किसानों का करोड़ों रुपया चीनी मिलों पर बकाया है। मिलों के पास धन का अभाव है। भंडारण की समस्या है। मांग एवं पूर्ति के सामंजस्य को बनाए रखने का हर संभव प्रयास ही इस प्रकार के संकट से मुक्ति दिला सकता है। आवश्यकतानुसार उत्पादन को नियंत्रित करना होगा तथा चीनी की निकासी को बढ़ाना होगा। उत्पादन को नियंत्रित करने के लिए खंडसारी एवं गुड़ उद्योगों को विशेष सुविधायें दी जानी चाहिएं। जहां तक चीनी की निकासी का प्रश्न है विश्व बाजार में चीनी के मूल्यों में ह्रास होने के कारण हमें निर्यात के 7 लाख टन के निर्धारित लक्ष्य को ही प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है। घरेलू बाजार में मूल्यों की ऊंची दर के कारण उपभोग में आशातीत वृद्धि नहीं हो पा रही है। हानि उठा कर चीनी के निर्यात की गुंजाइश सीमित है। एक मात्र विकल्प घरेलू उपभोग में वृद्धि ही है और यह तभी संभव है, जब मूल्यों में पर्याप्त ह्रास हो। इसके लिए चीनी के उत्पादन व्यय को कम करने के लिए गंभीरता से प्रयास होना चाहिए। चीनी पर लगे केन्द्रीय करों को कम करने पर विचार करना होगा। चीनी के क्रय-विक्रय भंडारण एवं आवागमन सम्बन्धी प्रतिबन्धों को समाप्त करना होगा।

नियंत्रित एवं अनियंत्रित चीनी की कीमतों की वर्तमान स्थिति को देखते हुए सरकार को चीनी पर से नियंत्रण हटाने की दिशा में गंभीरता से विचार करना चाहिए।

मैं माननीय कृषि मंत्री से निवेदन करूंगा कि वह सम्बन्धित संस्थाओं के सहयोग से एक सुविचारित दीर्घकालीन समन्वित दृष्टिकोण के आधार पर चीनी नीति निर्धारित करें, जिससे चीनी उद्योग आये-दिन अनिश्चितता के वातावरण से मुक्ति पा सके।

(ix) NEED FOR PROVIDING FACILITIES TO SMALL COTTAGE INDUSTRIES SITUATED AT BANSBAGH DURGA PUR, RAJASTHAN.

श्री भीखा भाई (वांसवाड़ा): उपाध्यक्ष महोदय, मेरे निर्वाचन-क्षेत्र वांसवाग-डूंगरपुर के बन्द होते हुए छोटे एवं कुटीर उद्योगों की ओर मैं सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं।

श्रीमन्, इस क्षेत्र के उद्योगों सम्बन्धी कठिनाइयों के बारे में समय-समय पर

सम्बन्धित अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट किया गया है, परन्तु इन उद्योगों की गिरती हुई स्थिति की अनदेखा किया जाता रहा है।

अनेक क्षेत्रों में भारत सरकार के लघु उद्योग विकास आयुक्त ने बहुत सी योजनाएं इस सम्बन्ध में बनाई हैं और वे कार्यान्वित हो रही हैं। ऐसी ही एक योजना दिल्ली के उद्योग-धंधों को पनपाने के लिए अभी हाल ही में लागू हुई है। मेरा निवेदन है कि मेरे क्षेत्र में भी इसी तरह की योजना लागू की जाए।

इस क्षेत्र में उद्योगों के समक्ष सब से बड़ी कठिनाई तो विद्युत् की है। अन्य कठिनाइयों में कच्चे माल का न मिलना, समय पर पर्याप्त वित्तीय सहायता, मौजूदा प्रतिस्पर्धा का होना एवं इन उद्योगों द्वारा बनाई हुई चीजों के बेचने में कठिनाई आदि हैं। रेल सेवा का अभाव, टेलीफ़ोन व्यवस्था का सुचारू रूप से न चलना इन कठिनाइयों को और भी बढ़ावा दे रहे हैं। ये व्यवस्थाएं शीघ्र ही इन उद्योगों के बचाव के लिए आवश्यक हैं। छोटे उद्योगों के घाटा उठाने की क्षमता अधिक नहीं होती। इस कारण वे शीघ्र ही बन्द हो जाते हैं। इससे जनता के छोटे तबकों को विशेषकर संकट हो जाता है।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि वे इस ओर तुरन्त कार्यवाही करें।

(x) DEMAND TO PRESCRIBE THE HISTORY TEXT BOOK FOR EIGHTH CLASS IN MAHARASHTRA

SHRI G. M. BANATWALLA (Ponnani): Mr. Deputy Speaker, Sir, the Government has often expressed its serious concern and anxiety to ensure that text books are free from historical distorions and communal bias. Unfortunately, however, such text books still continue to get prescribed for study in our educational institutions. There is a strong feeling, anguish and resentment in Maharashtra against the history text book prescribed for Standard VIII as the matter contained under the Chapter "Islam Ka Uruj" in almost all languages, and especially in Marathi and Urdu, is highly erroneous, sacrilegious and provocative. There is public agitation against the text book. Other Chapter of this history text book are also replete with errors, distortions and irresponsible statements. At several places even dates given in the text book are so rediculously wrong that they create wide disparities to the extent of even two centuries.

I urge upon the Government the urgent necessity to proscribe and confiscate the said text book and to make a statement thereon in the House outlining how such text book came to be prescribed and steps taken to prevent such recurrences in future.

(xi) SUPPLY OF DRINKING WATER AND ELECTRICITY TO THE PEOPLE OF DINDIGUL, TAMIL NADU.

SHRI K. MAYATHEVAR (Dindigul): Mr. Deputy Speaker, Sir, the Tamil Nadu Government have had failed to give electricity supply to the pumpsets of the farmers for irrigation. The farmers in my Dindigul Parliamentary Constituency are facing an unprecedented crisis in the supply of electricity. The towns and villages also are not getting the electricity supply. The entire farm and the industrial productions are seriously affected. The drinking water is supplied to Dindigul towns and other towns of my constituency once in five days. The people are purchasing drinking water by paying 25 n.p. to Rs. 1.50 per pot in different towns of my constituency. The farmers are unable to save the standing crops neither they could raise new or fresh crops due to the failure of electricity supply. I resorted to hunger-strike on these demands a few months back at Dindigul town. But the authorities concerned woefully neglected to implement demands as I belong to the opposition DMK Party.